



GOVERNMENT OF INDIA

Chandigarh Administration Gazette

Published by Authority

No. 70]

CHANDIGARH, THURSDAY, JULY 06, 2023 (ASADHA 15, 1945 SAKA)

चण्डीगढ़ प्रशासन

गृह विभाग

अधिसूचना

दिसम्बर 4, 2020

संख्या 282305-HIII(3) – 2020 /13037 - जैसा कि सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के बैंक व अन्य वित्तीय सेवा प्रदाता रोकड़ व कीमती वस्तुओं के रख-रखाव व ढुलाई के लिए निजी सुरक्षा अभिकरणों के द्वारा प्रदान की जा रही बख्तरबंद कार सेवा को आउटसोर्स कर रहे हैं;

तथा जैसा कि यह अनुमान लगाया गया है कि केन्द्र शासित प्रदेश, चण्डीगढ़ में 14 से अधिक निजी स्वामित्व अधीन रोकड़ वैन चल रही हैं, जिन्हें गैर बैंकिंग निजी अभिकरणों के द्वारा संचालित किया जा रहा है, जो बैंकिंग क्षेत्र के लिए सेवा प्रदाता या आउटसोर्स अभिकरण के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा बैंकों की ओर से वर्तमान में प्रतिदिन सोलह करोड़ रुपये से अधिक रोकड़ की ढुलाई कर रहे हैं तथा कभी-कभी ऐसी मुद्रा को बैंकों की ओर से पूरी रात भर अपने निजी रोकड़ कोष्ठ में रखते हैं;

तथा जैसे कि हाल के वर्षों में रोकड़ वैन व रोकड़ कोष्ठ पर हमलों तथा एटीएम धोखाधड़ी व अन्य आंतरिक धोखेबाजी व इन निजी अभिकरणों के कर्मचारियों के द्वारा गवन में की घटनाओं में तेजी आई है, जिसके कारण सार्वजनिक पैसे का नुकसान हुआ है। इससे असुरक्षा की भावना में वृद्धि हुई है;

तथा जैसा कि निजी स्वामित्व में चल रही रोकड़ वैन व मुद्राकोष्ठ शरारती तत्वों का आसान शिकार बन गए हैं तथा विभिन्न राज्यों के पुलिस अभिकरणों के सामने ऐसी बहुत अधिक सामने आई हैं जिससे अवांछित तत्वों के हाथ में बड़ी मात्रा में रोकड़ जाने का जोखिम बढ़ा है;

तथा जैसा कि दैनिक बैंकिंग संचालन में रोकड़ परिवहन कार्यों की सुरक्षा की गंभीरता को देखते हुए आने वाले वर्षों में बैंकिंग व एटीएम संचालनों में वृद्धि के फलस्वरूप यह आवश्यक पाया गया है कि रोकड़ परिवहन गतिविधियों में लिप्त निजी सुरक्षा अभिकरणों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया के दिशानिर्देश

Signature Not Verified
Digitally signed by
Jai Prakash
Date: 2023.07.06
18:18:54
Reason: Published
Locally

(1283)

This is Digitally Signed Gazette. To verify, visit :

<https://egazette.chd.gov.in>

बनाए जाएं जिनकी पुष्टि राज्य सरकारों के द्वारा निजी सुरक्षा अभिकरण (विनियम) अधिनियम, 2005 की धारा 25 के अंतर्गत नियम बनाते समय की जाएगी;

अब इसलिए, धारा 24 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, प्रशासक केन्द्र शासित प्रदेश, चण्डीगढ़, राज्य सरकार की शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निजी सुरक्षा अभिकरणों के द्वारा नकदी परिवहन गतिविधियों के लिए सुरक्षा प्रदान करने के तरीकों को नियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं:-

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ**-(1) इस नियमावली को चण्डीगढ़ निजी सुरक्षा अभिकरण (रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के लिये निजी सुरक्षा) नियमावली, 2020 कहा जाएगा।

(2) यह नियम गजट अधिसूचना में प्रकाशित किए जाने की तिथि से लागू प्रवृत्त होंगे।

2. **परिभाषाएं**- जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इस नियमों में-

(क) "अधिनियम" का तात्पर्य निजी सुरक्षा अभिकरण (विनियमन) अधिनियम, 2005 (अधिनियम संख्या 29 सन् 2005) से है;

(ख) "एटीएम" का तात्पर्य स्वचालित गणक मशीन से है जो रोकड़ का वितरण करती है या बैंकिंग सेवाएं निष्पादित करती है जब किसी भी बैंक का कोई खाता धारक उसमें बैंक कार्ड उसमें डालता है;

स्पष्टीकरण- इस खण्ड के उद्देश्य के लिये "बैंक कार्ड" में क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड सम्मिलित हैं -

(ग) "रोकड़ प्रबंधन अभिकरण", "रोकड़ पुनः पूर्ति अभिकरण" या "वाहन में रोकड़ अभिकरण" का तात्पर्य उस अभिकरण या इकाई से है, चाहे वह किसी भी नाम से ज्ञात हो, जो रोकड़ परिवहन-क्रियाकलापों में लगी हुई है;

(घ) "रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों" से तात्पर्य रोकड़ यथा बैंक नोट, सिक्के, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड या अन्य मूल्यवान मर्दों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर भौतिक अंतरण है, जिसके अन्तर्गत किसी एटीएम मशीन में रोकड़ डालना या उससे रोकड़ निकालना शामिल है;

(ङ) "निजी सुरक्षा" या "निजी सुरक्षा अभिकरण" का वही अर्थ होगा जो अधिनियम की धारा 2 के खण्ड (च) या खण्ड (छ) में उनके लिए दिया गया है;

(च) "अनुसूची" का तात्पर्य इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची से है।

3. **रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों आदि के लिए निजी सुरक्षा**-(1) निजी सुरक्षा अभिकरण द्वारा रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के लिये तब तक कोई सुरक्षा उपलब्ध नहीं करवाई जाएगी जब तक कि उसके पास उक्त अधिनियम के अधीन अनुज्ञप्ति प्राप्त हो।

(2) रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के लिये निजी सुरक्षा उपलब्ध करवाने के प्रयोजन के लिये निम्नलिखित के मध्य कोई अनुबंध हो सकता है-

(क) एक निजी सुरक्षा अभिकरण, जिसके पास उक्त अधिनियम के अधीन अनुज्ञप्ति हो और संबंधित बैंक, या

(ख) रोकड़ प्रबंधन अभिकरण और संबंधित बैंक:

बशर्ते यदि रोकड़ प्रबंधन अभिकरण के पास अधिनियम के उपबन्धों के अधीन निजी सुरक्षा अभिकरण के रूप में अनुज्ञप्ति है तो ऐसा रोकड़ प्रबंधन अभिकरण स्वयं इस नियमावली के उपबन्धों के अनुसार रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के लिये निजी सुरक्षा उपलब्ध करवा सकता है।

4. **विशेष रूप से डिजाइन की गयी और तैयार की गयी रोकड़ वैन का उपयोग** - (1) कोई निजी सुरक्षा अभिकरण किसी बैंक को या किसी रोकड़ प्रबंधन अभिकरण को रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के लिये तब तक निजी सुरक्षा या निजी सुरक्षागार्ड उपलब्ध नहीं करवाएगा जब तक कि ऐसे क्रियाकलापों के लिए उसके या बैंक या रोकड़ प्रबंधन अभिकरण के स्वामित्व में, जैसा कि मामला हो, सुरक्षित रोकड़ वैन, जो प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट डिजाइन और विशिष्टियों की शर्तों के अनुरूप हो, न हो।

(2) निजी सुरक्षा अभिकरण के द्वारा रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के लिये किसी टैक्सी या किराये पर लिये गए वाहन का उपयोग नहीं किया जायेगा -

बशर्ते उक्त वाहन, निजी सुरक्षा अभिकरण या बैंक या रोकड़ प्रबंधन अभिकरण के पास दीर्घ कालिक संविदा पर हो और जो उपनियम (1) के अधीन बताए गए डिजाइन और विशिष्टियों की शर्तों का अनुपालन करता हो। ऐसे वाहन का निजी सुरक्षा अभिकरण द्वारा उपयोग किया जा सकता है;

बशर्ते, किसी सुदूर स्थान के मामले में, जहां पर निजी सुरक्षा अभिकरण विद्यमान न हो और जहां पर मुद्राकोष्ठ द्वारा सेवाएं भी नहीं हों तो, ऐसे स्थान पर स्थानीय पुलिस के कठोर सुरक्षा नियंत्रण और सहायता के अधीन अपवाद स्वरूप किसी भी वाहन का उपयोग किया जा सकता है।

5. **प्रति रोकड़ वैन के लिये अपेक्षित प्रशिक्षित कर्मचारियों की संख्या** - (1) निजी सुरक्षा अभिकरण, रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के लिये उपनियम (2) में बताई गई संख्या में प्रत्यक्षतः नियुक्त या अनुबंधित अपेक्षित प्रशिक्षित कर्मचारियों की संख्या के साथ निजी सुरक्षा उपलब्ध करवाएगा।

(2) प्रत्येक रोकड़ वैन में, प्रत्येक एकल रोकड़ परिवहन क्रियाकलाप के लिये निम्नलिखित न्यूनतम कर्मचारी दल होगा, जिनके पास अधिनियम की धारा 10 के अधीन बताई गई योग्यता व प्रशिक्षण होगा, अर्थात्-

- (1) चालक-एक
- (2) सशस्त्र सुरक्षा गार्ड-दो, और
- (3) एटीएम अधिकारी या अभिरक्षक-दो

(3) रोकड़ वैन की हर समय कम से कम दो प्रशिक्षित सशस्त्र सुरक्षा गार्डों द्वारा अभिरक्षा की जायेगी-

परन्तु यह कि वहन की जा रही रोकड़ की रकम पर निर्भर करते हुए सम्बन्धित कम्पनी के बीमा दिशानिर्देशों या ग्राहक संविदा या प्रचालन किए जा रहे स्थान के अनुसार किसी रोकड़ वैन में दो से अधिक सशस्त्र सुरक्षा गार्डों को तैनात किया जा सकता है।

(4) जहां रोकड़ वैन एक मध्यम मोटर वाहन हो, वहन के दौरान चालक के साथ आगे एक सशस्त्र गार्ड बैठेगा और दूसरा वैन के पिछले भाग में बैठेगा। लादने या उतारने, शौच, चाय-पान या भोजनावकाश के दौरान कम से कम एक सशस्त्र सुरक्षा गार्ड हर समय रोकड़ वैन में उपस्थित रहेगा।

(5) इस नियमों में किसी अन्य प्रावधान के होते हुए भी, अन्यथा पात्र भूतपूर्व सैनिक को रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के लिये सुरक्षा उपलब्ध करवाने के लिये निजी सुरक्षा अभिकरण द्वारा नियुक्त करने या नियोजित करने में अधिमान प्रदान किया जायेगा।

6. **कार्मिकों के पूर्ववृत्त की जांच** - (1) कोई भी निजी सुरक्षा अभिकरण, रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के लिये किसी कार्मिक को तब तक नियुक्त नहीं करेगा या तब तक सेवा में नहीं लगाएगा जब तक सम्बन्धित अभिकरण के द्वारा इस अधिनियम या लागू अन्य कानूनों के प्रावधानों के अनुसार उन्हें नियुक्त करने या सेवा में लगाने या अभिनियोजित करने से पूर्व ऐसे कार्मिकों के पूर्ववृत्त की पूर्ण जांच और उनका उचित केवाईसी सत्यापन तथा पुलिस सत्यापन न कर लिया जाए।

स्पष्टीकरण- इस उपनियम के प्रयोजनों के लिये, पद केवाईसी से अभिप्राय "अपने ग्राहक को जानिये" प्रक्रिया से है जिसे किसी अभिकरण के द्वारा स्वयं व अपने व्यवसाय के साथ जुड़े ग्राहकों, व्यक्तियों की पहचान व सत्यापन के लिए पूरा किया जाता है।

(2) प्रत्येक निजी सुरक्षा अभिकरण, रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों में भाग लेने हेतु किसी व्यक्ति को नियुक्त करने या उसे सेवा में लगाने से पूर्व निम्नलिखित जांच पूरी करने के लिये उत्तरदायी होगा, अर्थात्-

- (क) पुलिस अनापत्ति प्रमाण-पत्र - प्रत्येक व्यक्ति अपनी नियुक्ति या सेवा में जुड़ने से पहले, अपने स्थानीय पुलिस थाना से पुलिस अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करेगा;
- (ख) निवास स्थान सत्यापन-निजी सुरक्षा अभिकरण, प्रत्येक व्यक्ति के आवासीय पते का भौतिक सत्यापन, जिसके अन्तर्गत आचरण की सामान्य जांच सम्मिलित है, अपने स्वयं के संसाधनों का प्रयोग करते हुए करेगा तथा उक्त व्यक्ति, रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के लिये नियुक्त होने या लगाये जाने से पूर्व कम से कम तीन वर्ष के आवासीय पते का प्रमाण सुरक्षा अभिकरण को उपलब्ध करवाएगा;
- (ग) पूर्व नियोजक की जांच- निजी सुरक्षा अभिकरण, व्यक्ति के पूर्व नियोजकों की संदर्भ सहित जांच अपने स्वयं के संसाधनों का प्रयोग करते हुए करेगा;
- (घ) आधार सत्यापन - रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के लिये नियुक्त किए गए या लगाए गए प्रत्येक व्यक्ति के पूर्ववृत्त का सत्यापन, भारत के विशिष्ट पहचान प्राधिकरण से आधार नम्बर के माध्यम से किया जायेगा;

- (ड) क्रेडिट इतिहास जांच-निजी सुरक्षा अभिकरण नियुक्त किए गए या लगाए गए प्रत्येक व्यक्ति के क्रेडिट इतिहास की जांच, यह सुनिश्चित करने के लिए करेगा कि रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों में जानबूझकर प्रत्यय व्यतिक्रम करने वाले व्यक्ति न नियुक्त हो जाएं या लगाए जाएं;
- (च) विश्वसनीयता बीमा- निजी सुरक्षा अभिकरण, रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के लिये नियुक्त किए गए या लगाए गए प्रत्येक कर्मियों के सम्बन्ध में विश्वसनीयता बीमा प्राप्त करेगा।
7. **कार्मिकों का पर्याप्त प्रशिक्षण और प्रमाणन** - निजी सुरक्षा अभिकरण यह सुनिश्चित करेगा कि रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के लिये नियुक्त किए गए या लगाए गए प्रत्येक कार्मिक को-
- (क) ऐसे क्रियाकलापों की सुरक्षा और सुरक्षित प्रबंध के लिये, द्वितीय अनुसूची में निर्धारित प्रशिक्षण की अपेक्षाओं के अनुसार, प्रशिक्षण और प्रमाण-पत्र प्रदान किया जायेगा;
- (ख) प्रत्येक दो वर्षों में एक बार पुनश्चर्या प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।
8. **प्रचालन के दौरान रोकड़ वैन की जीपीएस से निगरानी** - (1) प्रत्येक रोकड़ परिवहन क्रियाकलाप ऐसी सुरक्षित रोकड़ वैनों में किया जाएगा जिनमें जीपीएस निगरानी उपकरण लगा हो।
- स्पष्टीकरण-* इस उप नियम के प्रयोजनों के लिये शब्द, 'जीपीएस' का तात्पर्य ऐसी प्रणाली से है जो अन्तरिक्ष मार्गदर्शन प्रणाली पर आधारित है तथा जो सभी मौसम की दशाओं में अवस्थिति और समय की सूचना पृथ्वी पर कहीं भी या उसके निकट वहां उपलब्ध कराती है, जहां चार या उससे अधिक जीपीएस उपग्रहों की दृष्टि की अवरुद्ध पंक्ति हो।
- (2) निजी सुरक्षा अभिकरण यह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक रोकड़ वैन की निगरानी हर समय परिपूर्ण संचार नवाचार के माध्यम से रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों के दौरान की जाए।
9. **एकल रोकड़ वैन में अधिकतम रोकड़ ले जाने की सीमा के लिये दिशानिर्देश**-(1) रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों में संलग्न निजी सुरक्षा अभिकरण यह सुनिश्चित करेगा कि शहरी क्षेत्र में कोई भी रोकड़ वैन प्रति दौरे पर पांच करोड़ रुपये से अधिक का रोकड़ नहीं ले जायेगी।
- (2) निजी सुरक्षा अभिकरण यह भी सुनिश्चित करेगा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रति दौरे पर दस लाख रुपये से अधिक रोकड़ ले जाने के लिये सुरक्षित रोकड़ वैन अभिनियोजित की जायेगी।
10. **बैंक की नकद मुद्रा को निजी मुद्रा कोष्ठ में कुछ समय या रात भर रखने के लिए विनिर्देश** - निजी सुरक्षा अभिकरण यह सुनिश्चित करेगा कि सभी प्रकार का रोकड़ प्रबंधन, जिसके अन्तर्गत गणना, छंटाई और बण्डल बांधने संबंधी क्रियाकलाप सम्मिलित हैं, निम्नलिखित दिशानिर्देशों के अनुसार सुरक्षित परिसरों में किया जायेगा, अर्थात्-
- (क) **निजी मुद्रा कोष्ठ परिसर का स्थान**- रोकड़ प्रबंधन क्रियाकलापों के लिये उपयोग किए गये परिसर ऐसे स्थान पर होने चाहिए जिससे कि क्रियाकलापों/संचालनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो

सके, ऐसे क्षेत्रों में बैंक के रोकड़ निकासी केन्द्र या पुलिस थाना के समीपस्थ का क्षेत्र शामिल हो तथा कम कनेक्टिविटी वाले एकांत क्षेत्रों से बचें;

- (ख) **परिसरों का डिजाइन**-परिसरों को इस तरह से डिजाइन किया जायेगा कि उनमें दो भौतिक रूप से स्वतंत्र क्षेत्र होंगे जिनमें से एक साधारण कार्यालय प्रयोजन के लिये और दूसरा सुरक्षित रोकड़ प्रक्रिया एवं प्रबंधन क्रियाकलापों को सम्मिलित करने के लिये होगा और उसके अन्दर सुरक्षित रोकड़ वैनों पर रोकड़ जमा, संग्रहण, छंटाई, गणना और रोकड़ का परिदान करने और प्रेषण के लिये स्थान होगा;
- (ग) **मुद्रा कोष्ठ** - निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुसार मुद्रा कोष्ठ के लिये भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, नकदी के भण्डारण के लिये सुरक्षित क्षेत्र डिजाइन तैयार किया जायेगा, अर्थात्-
- (1) दस करोड़ से कम रुपयों को रात भर के लिए मुद्रा कोष्ठ में रखने की आवश्यकता वाले छोटे शहरों में, एक सुरक्षित कक्ष, सुरक्षा के साथ।
 - (2) ऐसे प्रचालन केन्द्रों पर जिनमें दस से एक सौ करोड़ रुपये तक की राशि को रातभर मुद्रा कोष्ठ में रखने की आवश्यकता है, उनमें 'ग' श्रेणी कोष्ठ के लिये विनिर्दिष्ट भारतीय रिजर्व बैंक के संनियमों के अनुसार कोष्ठ सुविधा हो;
 - (3) ऐसे वृहद प्रचालन केन्द्रों पर जहां एक सौ करोड़ रुपये से अधिक की राशि रात भर मुद्रा कोष्ठ में रखने की आवश्यकता है, उन पर संबंधित बैंक के परामर्श से वर्धित कोष्ठ सुविधा हो; और
 - (4) सभी रात भर मुद्रा कोष्ठ सुविधाओं में पृथक और भिन्न पात्रों में अलग-अलग बैंकों की मुद्रा को भंडारित करने की व्यवस्था हो;
- (घ) **मुद्रा कोष्ठों की सुरक्षा** - निजी सुरक्षा अभिकरण, बैंक की ओर से रोकड़ के सुरक्षित प्रबंधन के लिये प्रयुक्त मुद्रा कोष्ठों में निम्नलिखित सुरक्षा पहलुओं को सुनिश्चित करेगा, अर्थात्-
- (1) पर्याप्त संख्या में सशस्त्र निजी सुरक्षा गार्ड चौबीस घंटे तैनात हों;
 - (2) परिसर 24x7 इलैक्ट्रॉनिक निगरानी और अनुश्रवण के अधीन हों ;
 - (3) मुद्रा कोष्ठ में पर्याप्त संख्या में कैमरों के साथ सीसीटीवी प्रणाली लगी हुई हो जिसमें कम से कम 90 दिन का डेटा रिकार्ड करने की सुविधा हो;
 - (4) मुद्रा कोष्ठ में क्रियाकलाप, दोहरी अभिरक्षा आधार के अधीन हो;
 - (5) मुख्य मुद्रा कोष्ठ क्षेत्र सभी सुरक्षा सन्नियमों जैसे कि अग्निशमन प्रणाली, धूम्र खोज प्रणाली, आपात लाईट, वाहनों के संचालन की निगरानी करने के लिये नियंत्रण कक्ष, स्व-डायलकर्ता और चोरी सुरक्षा प्रणाली का अनुपालन करता हो;

- (6) जी०एस०एम० आधारित स्व-डायलकर्ता, अग्नि और मैग्नेटिक सेंसर वाले सुरक्षा अलार्म संस्थापित किए गये हों;
- (7) रोकड़ की लदाई और उतराई क्षेत्र, रात्रि दृष्टि सीसीटीवी कैमरों द्वारा आच्छादित हो;
- (8) मुद्रा कोष्ठ के भीतर इलैक्ट्रिक विद्युत आपूर्ति प्लग-इन और प्लग-आउट सिस्टम के माध्यम से की जा रही हो;
- (9) मुद्रा कोष्ठ के भीतर अनावृत्त लाईट ले जाना पूर्णतया निषिद्ध हो और कोष्ठ के अंदर शुष्क बैटरीचालित टार्च या आपातकाल प्रकाश, प्रयोग की जाती हो;
- (10) सुरक्षा कर्मचारियों के लिए, इन्वर्टर की सहायता से आपातकाल प्रकाश सदैव उपलब्ध हो;
- (11) रोकड़ प्रसंस्करण और कोष्ठ क्षेत्रों की अधिमानतः इंटरलाकिंग प्रणालियों और फ्रिस्किंग के माध्यम से निर्बाधित और नियंत्रित पहुंच हो;

स्पष्टीकरण- इस नियम के प्रयोजन के लिये पद "सीसीटीवी" का तात्पर्य ऐसे बन्द परिपथ वाले टेलीविजन से है जिसमें भण्डार या कम्पनी में कार्यकलापों की निगरानी करने के लिये कैमरों, रिकार्डरों और डिस्के से मिलकर बनी स्वतः पूर्ण निगरानी प्रणाली हो।

11. **जोखिम कम करने के उपाय-**(1) निजी सुरक्षा अभिकरण यह सुनिश्चित करेगा कि उसकी सुरक्षा के अधीन एटीएम में कर्मिंदल उठाई गिरी हानि तथा एटीएम कपट की घटनाओं को कम करने के लिये एक बारगी इलैक्ट्रानिक संयोजन ताले लगे हों।
 - (2) किसी एटीएम मशीन में भरने के लिये बैंक से रोकड़ का संग्रहण पिछले दिन या उस दिन के पूर्वाह्न में होगा ताकि उपनियम (3) में निर्धारित समय से पूर्व, प्रचालन समाप्त हो सके।
 - (3) निम्नलिखित के बाद, एटीएम रोकड़ भरने या रोकड़ परिवहन क्रियाकलाप नहीं होंगे -
 - (क) नगरीय क्षेत्रों में अपराह्न 9 बजे के पश्चात
 - (ख) ग्रामीण क्षेत्रों में अपराह्न 6 बजे के पश्चात; और

प्रथम अनुसूची

[नियम 4 (1) देखिये]

सुरक्षित रोकड़ बैंकों के लिये डिजाइन और विशिष्टता

(क) बनावट – एक रोकड़ बैंक-

- (1) कम से कम 2200 सीसी क्षमता वाले इंजन के साथ, अधिमानतः टर्बोचार्जित हल्का वाणिज्यिक वाहन होगी;
- (2) 7 वर्ष से अधिक पुरानी नहीं होगी;
- (3) इसमें ट्यूबरहित टायर लगे होंगे;
- (4) इसमें कम से कम 190 मिमी 0 भू-अंतस्थान होगा, और
- (5) इसमें न्यूनतम पांच यात्रियों की जगह होगी;

(ख) अभिविन्यास-रोकड़ बैंक में रोकड़ भंडारण के लिये यात्री कंपार्टमेंट यूनिट से पूरी तरह अलग और बंद कंपार्टमेंट होगा;

(ग) रोकड़ कंपार्टमेंट सुरक्षा-(1) रोकड़ कंपार्टमेंट, बैंक के बाहरी भाग से तब तक पहुंच से बाहर होना चाहिये जब तक आंतरिक रूप से हस्तचालित या इलेक्ट्रॉनिक ताले के माध्यम से इसे संचालित न किया जाये और रोकड़ बैंक में केवल एक द्वार तथा जाली का फाटक विशेष रूप से स्टील के साथ प्रबलित रूप से लगा हो ;

(2) रोकड़ कंपार्टमेंट का प्रवेश पीछे की ओर से होगा ताकि उचित दृश्यमानता, संक्रियात्मक साध्यता और सीसीटीवी निगरानी सुनिश्चित की जा सके;

(3) सभी खिड़कियों और सामने व पीछे के शीशों की सुरक्षा के लिए अनधिक एक वर्ग इंच के तार की जाली होगी तथा प्रत्येक खिड़की की जाली में शस्त्रों के प्रयोग के लिये छः इंच व्यास का एक गोलाकार छिद्र होगा।

(4) हूटर बजाने के लिये संकट बटन ड्राइवर और अन्य वाहन सवारों के पास उपलब्ध होगा।

(घ) रोकड़ बाक्स सुरक्षा - प्रत्येक रोकड़ बक्सा, तल पर पृथक जंजीरों और तालों से सुरक्षित किया जाएगा जिसे विभिन्न अभिरक्षकों के पास रखी हुई अलग-अलग चाबियों के प्रयोग से खोला और बंद किया जा सके और प्रत्येक बैंक के लिये रोकड़, मुख्यतः किसी अलग बक्से में जिस पर उस बैंक का नाम लिखा हो, ले जाया जायेगा।

(ङ) अन्य सुरक्षा विशिष्टताएं-(1) रोकड़ बैंक में एक छोटा सीसीटीवी सिस्टम लगा होगा जिसमें कम से कम पांच दिन के डेटा रिकार्डिंग करने की सुविधा हो। इसके अतिरिक्त तीन और कैमरे केबिन के आगे, पीछे और भीतर लगे हुए होंगे।

(2) जीएसएम आधारित स्व-डायलकर्ता सुरक्षा अलार्म के साथ मोटरचालित सायरन लगा होगा।

(3) रोकड़ बैंक में, किसी आक्रमण की परिस्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिये हूटर, अग्निशमन यंत्र और आपात लाइटें लगी होंगी।

द्वितीय अनुसूची**(नियम 7 (1) (क) देखिये)****रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों में नियुक्त या लगे हुए कार्मिकों के लिये प्रशिक्षण**

(क) रोकड़ संभालने और रोकड़ परिवहन क्रियाकलापों की आधारभूत जानकारी-

- (1) सेवा का क्षेत्र;
- (2) दल संरचना;
- (3) चालक, सशस्त्र गार्ड, रोकड़ अभिरक्षक की भूमिका;
- (4) रोकड़ वैनों की कार्यप्रणाली;
- (5) सम्बद्ध अभिकरणों के संपर्क ब्यौरे;
- (6) अंतर्निहित खतरे व जोखिम;
- (7) रिपोर्ट करने की प्रक्रिया;

(ख) खतरे व जोखिम -

- (1) आपराधिक और बदमाश गतिविधियां
- (2) वाहन रखने वाले अपराधियों द्वारा पीछा किया जाना
- (3) रुके हुए और गतिमान वाहन को विनिर्दिष्ट खतरे
- (4) आंतरिक खतरे
- (5) दल सदस्यों द्वारा कपटपूर्ण व्यवहार
- (6) जीवन हानि तथा मैडिकल आपातकाल
- (7) सड़क दुर्घटना व वाहन में खराबी
- (8) अग्नि दुर्घटना

(ग) रोकड़ वैन की रक्षा और सुरक्षा-

- (1) रोकड़ और मूल्यमान वस्तुओं को ले जाने वाली रोकड़ वैन की अंतस्थ सुरक्षा विशिष्टताएं
- (2) रोकड़ और मूल्यवान वस्तुओं को ले जाने के लिये रोकड़ बाक्स
- (3) तालाबंदी और सुरक्षा पद्धति

- (4) शस्त्र और गोला बारूद
- (5) संचार उपकरण
- (6) ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम
- (7) अग्निशमन यंत्र
- (8) संकट अलार्म
- (9) प्राथमिक उपचार किट

(घ) अभिकरण-

- (1) निजी सुरक्षा अभिकरण (विनियमन) अधिनियम, 2005 (अधिनियम संख्या 29 सन 2005) के अधीन नियंत्रण प्राधिकारी
- (2) पुलिस थाना, पीसीआर वैन, पुलिस हैल्पलाइन
- (3) नियंत्रण पर्यवेक्षक और प्रचालन प्रबंधक
- (4) संबद्ध बैंक का प्रतिनिधि
- (5) एम्बुलेंस और अस्पताल सेवाएं

(ङ) शस्त्र, गोला बारूद और दस्तावेज-

- (1) गार्डों को न्यूनतम 12 बोर डीबीबीएलशॉटगन बंदूक उपलब्ध कराई जानी चाहिये। बंदूक का दो वर्ष में कम से कम एक बार फायर का परीक्षण होना चाहिये। बंदूक के कारतूस दो वर्ष में एक बार बदले जाने चाहिये। बंदूक की सरकार से अनुमोदित शस्त्रशाला द्वारा जांच करके प्रमाणित कराई जानी चाहिये।
- (2) दस्तावेज-बंदूक अनुज्ञप्ति, पहचान-पत्र और प्राधिकारियों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के दौरान शस्त्र ले जाने की अनुमति।
- (3) बदमाशों द्वारा ले जाये जाने वाले वास्तविक शस्त्र।
- (4) अन्य वस्तुएं, जिन्हें बदमाशों द्वारा शस्त्र के रूप में प्रयोग किया जा सके।

(च) आपातकाल और घटना पर प्रतिक्रिया-

- (1) संकट चेतावनी प्रक्रिया
- (2) संबद्ध अभिकरणों से सहायता मांगना
- (3) अपराधियों और बदमाशों को भय दिखाकर रोकने और मुकाबला करने के लिये शस्त्र का प्रयोग

- (4) दल सदस्यों और प्रेषण की सुरक्षा सुनिश्चित करना
- (5) परिस्थिति से निपटना और वाहन को सुरक्षित दूर ले जाना
- (6) घायलों को निकालना।

(छ) अन्य आंतरिक संगठनात्मक प्रक्रिया-

- (1) पूर्ववृत्त की जांच प्रक्रिया
- (2) भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (अधिनियम संख्या 19 सन् 1925) और लाभ
- (3) न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (अधिनियम संख्या 11 सन् 1948) और लाभ
- (4) कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (अधिनियम संख्या 34 सन् 1948) और लाभ
- (5) छुट्टी का अधिकार और आवेदन प्रक्रिया
- (6) अन्य कंपनी नियम
- (7) कर्मचारी के रूप में कर्तव्य

अरुण कुमार गुप्ता, भा.प्र.से.

प्रमुख सचिव गृह,

चण्डीगढ़ प्रशासन।

चण्डीगढ़ :

दिनांक- 4 दिसम्बर, 2020.

"No legal responsibility is accepted for the contents of publication of advertisements/public notices in this part of the Chandigarh Administration Gazette. Persons notifying the advertisements/ public notices will remain solely, responsible for the legal consequences and also for any other misrepresentation etc. "